



सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 12] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 21, 1992 (चैत्र 1, 1914)
No. 12] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 21, 1992 (CHAITRA 1, 1914)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	245
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	337
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	5
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	455
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खण्ड 1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्टें	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधोनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	277
भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और जिजादों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	327
भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	*
भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	625
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	49
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को बहाने वाला अनुपूरक	*

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1 —Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court,	245	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii) —Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2 —Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	337	PART II—SECTION 4 —Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3 —Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	5	PART III—SECTION 1 —Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	277
PART I—SECTION 4 —Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	455	PART III—SECTION 2 —Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	327
PART II—SECTION 1 —Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3 —Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1-A —Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4 —Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	625
PART II—SECTION 2 —Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV —Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	49
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i) —General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V —Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii) —Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय का छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions Issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

कल्याण मंत्रालय

दिनांक 12 मार्च 1992

संकल्प

सं. 13040/2/90-एस. सी. डी.-6—जबकि, कल्याण मंत्रालय के संकल्प संख्या 13015/12/86-एस. सी. डी.-6 दिनांक 1 सितम्बर, 1987 के अंतर्गत एक राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग की स्थापना की गई थी।

2. और जबकि, संविधान (65वां संशोधन) अधिनियम, 1990 के अनुसार आज 12 मार्च, 1992 से एक राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग स्थापित किया गया है जिसके कार्यों में संघ तथा किसी राज्य के अंतर्गत अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के समाजार्थिक विकास की योजना निर्माण प्रक्रिया में भाग लेना तथा सलाह देना तथा उनके विकास की प्रगति का मूल्यांकन करना शामिल है।

3. अतः, अब उक्त संकल्प के अधीन स्थापित राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग उस दिन से जिससे कि संविधान (65वां संशोधन) अधिनियम, 1990 प्रवृत्त किया जाएगा, समाप्त हो जाएगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों तथा राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनो आदि को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को जन-साधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

टि. मुनिर्वेकटप्पा
संयुक्त सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1992

संकल्प

सं० एफ० 7-1/91-सी० एस० यू०—राष्ट्रपति, “आदिवासी तथा लोक कला एवं संस्कृति की प्रोत्ति और प्रसार के लिए वित्तीय सहायता” की योजना स्कीम के कार्यान्वयन सम्बन्धी वर्तमान विशेषज्ञ समिति का, जिसका गठन सरकार के दिनांक 23 फरवरी, 1987 के संकल्प संख्या एफ० 7-1/87-सी० एस० यू० के अधीन किया गया था, तत्काल से पुनर्गठन करते हैं। यह समिति अपने विचारार्थ विषयों में सरकार को परामर्श देगी।

2. पुनर्गठित समिति का गठन इस प्रकार होगा :—

- | | |
|--|------------|
| 1. संयुक्त सचिव, भारत सरकार,
संस्कृति विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय | अध्यक्ष |
| 2. भारतीय शिल्प परिषद् का प्रतिनिधि | सदस्य |
| 3. ललित कला अकादमी का प्रतिनिधि | सदस्य |
| 4. प्रो० एन० के० बेहुरा, प्रो० तथा अध्यक्ष
मानव विज्ञान विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय,
भुवनेश्वर | सदस्य |
| 5. डा० ज्योतिन्द्र जैन, निदेशक, गिल्प संग्रहालय | सदस्य |
| 6. श्री कोमल कोठारी, विशेषज्ञ | सदस्य |
| 7. भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण का प्रतिनिधि | सदस्य |
| 8. कल्याण मंत्रालय (टी० डी० प्रभाग) का
प्रतिनिधि | सदस्य |
| 9. श्री जयदेव बाबेल, सुप्रसिद्ध मूर्तिकार, बस्तर,
मध्य प्रदेश | सदस्य |
| 10. श्री निरजन महाश्वीर, रायपुर, मध्य प्रदेश | सदस्य |
| 11. प्रो० होरा लाल शुक्ला, सापेक्ष भाषा प्रोफेसर,
भापाल विश्वविद्यालय | सदस्य |
| 12. डा० जे० एस० भंडारी, सामाजिक मानव विज्ञान
क प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय | सदस्य |
| 13. श्री वी० वी० भारीन, प्रबन्ध निदेशक,
भारतीय हस्तशिल्प तथा हस्तकरिया निर्यात
निगम लि०, नई दिल्ली | सदस्य |
| 14. निदेशक (वित्त)/उप वित्त सलाहकार,
संस्कृति विभाग | सदस्य |
| 15. गीत एवं नाटक प्रभाग, सूचना एवं प्रसारण
मंत्रालय का प्रतिनिधि | सदस्य |
| 16. निदेशक (योजना)/उप सचिव (योजना) | सदस्य |
| 17. अवर सचिव (सी० एच०)/उप निदेशक (योजना) | सदस्य सचिव |

3. समिति के विचारार्थ विषय निम्नलिखित होंगे।

“जनजातीय तथा लोक कला एवं संस्कृति की प्रोत्ति एवं प्रसार के लिए स्वैच्छिक सांस्कृतिक संगठनों, सोसाइटियों, व्यक्तियों इत्यादि को वित्तीय सहायता देने की केन्द्रीय स्कीम के कार्यान्वयन के सम्बन्ध में सरकार का सलाह देना।”

- गैर-सरकारी सदस्यों की पदावधि प्रथमतः दो वर्ष होगी।
- समिति अपनी बैठके आवश्यकता के अनुसार आयोजित करेगी।
- समिति की बैठक में भाग लेने के लिए गैर-सरकारी सदस्यों को यात्रा भत्ता तथा दैनिक भत्ता एस० आर० 190 के प्रावधानों

तथा इसके अंतर्गत भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार दिया जाएगा।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की एक प्रति सभी राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों को भेजी जाए तथा यह कि आम सूचना के लिए अधिसूचना को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

कोमल आनन्द, संयुक्त सचिव

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1992

संकल्प

सं० ई०-11016/11/91-रा० भा० नी०—समय-समय पर यथा संशोधित, श्रम मंत्रालय के दिनांक 19 जुलाई, 1990 और 31 अगस्त, 1990 के संकल्प संख्या ई०-11016/30/89-रा० भा० नी० में और संशोधन करते हुए संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित भूतपूर्व लोकसभा सदस्य, श्री भगवन्त सिंह तथा श्री राम सेवक भाटिया के स्थान पर श्री यशवन्त राव जी० पाटिल तथा श्री गुलाम मोहम्मद खान को इस मंत्रालय की द्विती सप्ताहकार समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताव की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों, प्रधानमंत्री सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों एवं श्रम मंत्रालय के सभी कार्यालयों जिनमें स्वायत्त तथा अर्द्ध-स्वायत्त निकाय भी शामिल हैं, को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

शशी जैन, संयुक्त सचिव

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1992

सं. 11013/1/91-आइ.ई.एस.—निम्नलिखित सेवाओं में ग्रेड—की रिक्तियों को भरने के लिए 1992 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (1) भारतीय अर्थ सेवा, और
- (2) भारतीय सांख्यिकीय सेवा

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण सरकार द्वारा यथा निर्धारित रूप में किया जाएगा।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार :—

(क) भारत का नागरिक, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा
अवश्य हो या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया था, या

(ङ) कोई भारत मूलक व्यक्ति, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीका क्षेत्रों, जॉम्बिया, मालावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवृत्त कर आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजीबिलिटी)-पत्र होना चाहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1992 को 21 वर्ष पूरी हो किन्तु 28 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1964 से पहले और 1 जनवरी, 1971 के बाद का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(2) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो, और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवृत्त किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो, तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवृत्त किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

- (4) यदि उम्मीदवार कुवैत या इराक से वस्तुतः प्रत्या-
वर्तित भारत मूलक व्यक्ति है जो इन देशों में से
किसी देश से 15 मई 1990 के बाद लेकिन 22
नवम्बर, 1991 से पहले प्रवृज्जित कर चुका हो तो
अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-
जाति का हो और कुवैत या इराक से वस्तुतः प्रत्या-
वर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो जो इन देशों में से
किसी देश से 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22
नवम्बर, 1991 से पहले प्रवृज्जित कर चुका हो तो
अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (6) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशान्ति-
ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग
होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा
कार्मिक को अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (7) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशान्ति-
ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग
होने के फलस्वरूप सेवा से निम्नित्त किए गए ऐसे
रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनु-
सूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ
वर्ष ।
- (8) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा
आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक
सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी,
1992 का कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है
और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त
न हो कर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त होने पर
कार्यमुक्त हुए हैं) इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका
कार्यकाल 1 जनवरी, 1992 से एक वर्ष के अंदर पूरा
होना है (2) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता
या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं, उनके
मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक ।
- (9) जिन भूतपूर्व सैनिक (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा
आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन
सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) जो अनुसूचित
जाति या अनुसूचित जनजाति के हैं तथा जिन्होंने
1 जनवरी, 1992 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक
सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के
आधार पर, बर्खास्त न हो कर अन्य कारणों से कार्य-
काल के समाप्त होने पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे
भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी,
1992 से एक वर्ष के अंदर पूरा होना है या (2)
सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3)
अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं, उनके मामले
में अधिक से अधिक दस वर्ष तक ।
- (10) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन
सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों को उन मामलों में,
जिन्होंने 1 जनवरी, 1992 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष
की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका
कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा
जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी
करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन
कर सकते हैं और जिन हानों पर नियुक्ति प्रस्ताव
होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर कार्यभार
से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष ।
- (11) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे
आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन
सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों को उन मामलों में,
जिन्होंने 1 जनवरी, 1992 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष
की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका
कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके
मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता
है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते
हैं और जिन हानों पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की
तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से
मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष ।

टिप्पणी 1 : भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा
जिन्हें समय-समय पर यथासंशोधित भूतपूर्व सैनिक
(सिविल सेवा तथा पदों में पुनरोजगार) नियम,
1979 में परिभाषित किया गया है ।

टिप्पणी 2 : नियम 5(ख) (2) से 5(ख) (2) के अंतर्गत आने
वाले वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति तथा अनु-
सूचित जनजाति से सम्बद्ध नहीं हैं यदि
उन्होंने आयु छूट प्राप्त करने के बाद सिविल क्षेत्र
में कोई सरकारी नौकरी पहले से ही ले ली है,
तो वे आयु सीमा में छूट के लिए पात्र नहीं हैं ।

ऊपर दी गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में
किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती ।

6. भारतीय अर्थ सेवा के लिए उम्मीदवार के पास केन्द्र या
राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्व-
विद्यालय की या संसद के अधिनियम, 1956 द्वारा स्थापित या
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3
के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं
की अर्थशास्त्र या सांख्यिकी विषय सहित डिग्री होनी चाहिए और
भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास सांख्यिकीय या
गणित या अर्थशास्त्र सहित डिग्री अथवा उसके समकक्ष योग्यता
होनी चाहिए ।

टिप्पणी 1 : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिस उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता हो किन्तु अभी उस परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है। यदि एस उम्मीदवार अन्य शर्तें पुरी करत हो, तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने का अनुमति अनुमति माना जाएगा और यदि वह अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हाल में 6 अक्टूबर, 1993 तक प्रस्तुत नहीं करत हो तो यह अनुमति ख़ुद की जा सकती है।

टिप्पणी 2 : विशेष परिस्थितियों में सच लोक सेवा आयोग द्वारा एस किसी उम्मीदवार का भी परीक्षा में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है जिसके पास पूर्वोक्त योग्यताओं में से कोई भी योग्यता न हो बशत कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसा परीक्षाएं उत्ताण का हो, जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसका परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

टिप्पणी 3 : यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा अर्हता प्राप्त हो, किन्तु उसने किसी विदेशी विद्यालय से डिग्री प्राप्त की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

7. उम्मीदवारों का आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित फास अवश्य बना होगा।

8. सभी उम्मीदवार जो सरकारी नौकरी में आकस्मिक या वैयक्तिक वर कमचारा से इतर स्थायी या अस्थायी हौसयत से या कार्य-प्रभार से कमचाराओं को हौसयत से काम कर रहे हैं अथवा जो सरकारी उद्योगों में कार्यरत हैं उन्हें यह पारखचन (अडर-टैकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियुक्तता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से संबंधित अनुमति राक्षीत हुए कोई पत्र मिलता हो तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत/उनकी उम्मीदवारों ख़ुद कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (मॉर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने

(1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया हो, अथवा

(2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा

(4) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख किए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा

(5) गलत या झूठ वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छुपाया हो, अथवा

(6) परीक्षा में उम्मीदवारों के संबंध में किन्हीं अन्य अनियमित, अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा

(8) उत्तर पुस्तिकाओं का असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अभद्र भाषा की हो, अथवा

(9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का व्यवहार किया हो, अथवा

(10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों का परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो, अथवा

(11) उम्मीदवारों को भर्ज गए परीक्षा की अनुमति विषयक प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुवशा का उल्लंघन किया हो, अथवा

(12) पूर्वोक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य का करने या करने के लिए अवसरित करने का प्रयास किया हो, तो उस पर अपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ हो उस :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरों से अपवर्जित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहें प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेंगे जितने आयोग अपने निर्णय से निर्दिष्ट करें तो उसे आयोग व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु धर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों, इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण होते साक्षात्कार के लिए नहीं बलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में होने देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तिगत परीक्षण होते साक्षात्कार के लिए बलाया जा सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अंतिम रूप से प्राप्त क्रम अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उन अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुसंधान करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाना है।

(11) किसी भी अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक स्तर में छूट देकर आयोग द्वारा उनकी अनुसंधान की जा सकती है बशर्त कि ये उम्मीदवार सेवा में चयन के लिए उपयुक्त हों।

बशर्त कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के जिस उम्मीदवार की इस उप नियम में उल्लिखित छूट लिए बिना आयोग द्वारा अनुसंधान की गई हो उन्हें अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर समायोजित नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार इतने सेवाओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ रहा हो तो उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र इतने समय व्यक्त किए गए वरीयता क्रम पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक थे उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दर्जित गए वरीयता क्रम में परिवर्तन से संबंधित किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की "रोजगार सभाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिन के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पर्वजन की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कशलतापूर्वक निष्ठा सके। यदि सरकार या नियुक्ति अधिकारी तैसी भी स्थिति हो द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरी नहीं कर सकता तो नियुक्ति नहीं की जाए। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बलाए गए उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा करायी जा सकती है।

नियुक्ति — कर्तव्य निगम न होने पर उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए

आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार की किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके बारे में इन नियमों के परिशिष्ट-3 में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग हुए तथा उसके फल-स्वरूप निर्मुक्त हुए सैनिकों को सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

18. जिस व्यक्ति ने

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया हो, जिसका पहले जीवित पति/पत्नी हो, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है, तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट 2 में दिया गया है।

अनुपम कूलश्रेष्ठ, निदेशक

परिशिष्ट I

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग 1—नीचे दिखाए गए विषयों में एक लिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे।

भाग 1—आयोग द्वारा जिन उम्मीदवार को बलाया जाता है, उनके लिए मौखिक परीक्षा इस परिशिष्ट की अनुसूची का भाग (क) के लिए जिसके पूर्णांक 250 होंगे।

2. भाग I— के अंतर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रत्येक विषय के प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है :—

क्र० सं०	विषय	कोड सं०	अधिकतम अंक	दिया गया समय
क. भारतीय अर्थ सेवा				
1.	सामान्य अंग्रेजी	01	150	3 घंटे
2.	सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे
3.	सामान्य अर्थशास्त्र-I		200	
भाग-I				
	03 50 अंक भाग-I एक घंटा			3 घंटे
	भाग-II 04 150 अंक भाग-II 2 घंटे			
4.	सामान्य अर्थशास्त्र-II		200	
	भाग-I 05 50 अंक भाग-I : 1 घंटा			3 घंटे
	भाग-II 06 150 अंक भाग-II : 2 घंटे			
5.	भारतीय अर्थशास्त्र			
	भाग-I 07 50 अंक भाग-I : 1 घंटा			3 घंटे
	भाग-II 08 150 अंक भाग-II : 2 घंटे			

विशेष ध्यान :—उपर्युक्त क्रम सं. 3 से 5 तक के विषयों के प्रश्न-पत्रों के मामले में यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर परीक्षा भवन में नहीं पहुँचता है और प्रश्न-पत्र के भाग I की परीक्षा में प्रवेश नहीं ले पाता है तो वह उक्त प्रश्न-पत्र के भाग 2 में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

(ब) भारतीय सांख्यिकी सेवा

1. सामान्य अंग्रेजी	01	150	3 घंटे
2. सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे
3. सांख्यिकी-I	09	200	3 घंटे
4. सांख्यिकी-II	10	200	3 घंटे
5. सांख्यिकी-III	11	200	3 घंटे

नोट 1—सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन विषयों के प्रश्न-पत्र में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट 2—भारतीय अर्थ सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 के विषयों से संबंधित प्रश्न-पत्र के भाग 1 में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे और इन विषयों के प्रश्न-पत्रों के भाग 2 में संक्षिप्त उत्तर और निबन्ध वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट 3—भारतीय सांख्यिकी सेवा के क्रमांक 3 से 4 विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएंगे और क्रमांक 5 से संबंधित प्रश्न-पत्र में निबंध वाला प्रश्न पूछा जाएगा।

नोट 4—अन्य विवरण के लिए, जिसमें विभिन्न विषयों के प्रश्न-पत्रों में पूछे जाने वाले वस्तुपरक प्रश्न भी शामिल हैं नोटिस के अनबन्ध 2 पर उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका देखिए।

नोट 5—उपर्युक्त विषयों के स्तर और पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिए गए हैं।

3. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखने चाहिए। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में होंगे।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने निर्णय में परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्द्धक अंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुछ अंकों में से कुछ काट लिए जाएंगे।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में सख्तस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अभिव्यंजना को ध्यान दिया जाएगा।

9. प्रश्न-पत्रों में जहाँ आवश्यक हो तोलों और मापों की क्षेत्रीय मीट्रिक प्रणाली में संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

10. उम्मीदवारों को परम्परागत (निबंधात्मक) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए तैयारी से चलने वाले पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। उम्मीदवार उन्हें किसी भी कैलकुलेटर मांगने या आपस में बँटवारे की अनुमति नहीं है।

ग़ौर ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्र (परीक्षा प्रश्निका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का

प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे इन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

अनुसूची भाग 'क'

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सिद्धान्त को तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करें और सिद्धान्त की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। अर्थशास्त्र और सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं से विशेष रूप से परिचित हों।

सामान्य अंग्रेजी (कोड सं. 1)

प्रश्न इस प्रकार पूछे जाएंगे जिससे उम्मीदवारों को अंग्रेजी समझने और अंग्रेजी शब्दों का कुशल प्रयोग करने की क्षमता की जांच हो सके।

सामान्य अध्ययन (कोड सं. 02)

सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में वर्तमान घटनाक्रम की जानकारी शामिल होगी और कुछ ऐसे मामले भी होंगे जो वैज्ञानिक निरीक्षण और अनुभव से संबंधित और जिनको वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एक पढ़ा-लिखा आदमी समझ सकता है। इस प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित प्रश्न भी होंगे जिनका स्तर उत्तर विशेष अध्ययन के बिना ही उम्मीदवार दे सकते हैं।

सामान्य अर्थशास्त्र I (भाग 1 के लिए कोड सं. 03 और भाग 2

के लिए 04)

उपभोक्ता की मांग का सिद्धान्त तटस्थता वक्र, विश्लेषण प्रकट अधिमानता अभिगम।

उत्पादन का सिद्धान्त, उत्पादन के तत्व, उत्पादन कृत्य प्रतिफल के नियम, प्रतिष्ठान और उद्योग का संतुलन।

मूल्य का सिद्धान्त विण्णन व्यवस्था के विभिन्न रूपों में मूल्य निर्धारण सार्वजनिक उपयोगिता मूल्यन।

वितरण का सिद्धान्त - उत्पादन के तत्वों का मूल्यन, भाड़ा भुजवारी ब्याज और लाभ के सिद्धान्त, विण्णल वितरण सिद्धांत, संकलन समस्या आय वितरण में असमानताएँ।

कल्याण मूलक अर्थशास्त्र - प्राचीन और नवीन कल्याण मूलक अर्थशास्त्र, क्षतिपूर्ति, नियम, क्षतिमूलक श्रुतियाँ :—

राष्ट्रीय आय की अवधारणा - सामाजिक लेखा नियोजन का सिद्धांत निषेध और प्रवृत्तिगत इच्छाशक्ति और मजदूरश्रेणीय अभिगम नियोजन के बारे में कीन्स का सिद्धांत और कीन्स के बाद की गतिविधियाँ।

सामान्य अर्थशास्त्र -II (भाग I के लिए कोड सं. 05 और भाग II के लिए 06)

आर्थिक विकास की अवधारणा और उसका मापन-विकास के सिद्धान्त।

विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समस्याएं । जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विकास ।

आयोजन, अवधारणा और पद्धतियां :—आर्थिक संगठन की पूंजीवादी और समाजवादी प्रणालियों के अंतर्गत आयोजन मिश्रित अर्थ व्यवस्था में आयोजन, परिष्कारात्मक आयोजन, क्षेत्रीय आयोजन, निवेश के निर्धारण और प्रविधियों का चयन ।

अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त, व्यापार से लाभ, व्यापार की शक्तें व्यापार नीति, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास व्यापार शुल्क पद्धति के सिद्धान्त ।

भूगतान संतुलन : भूगतान संतुलन में असमानताएं समझन की प्रक्रिया विदेश व्यापार, विनिमय की दरें, आयात और विनिमय नियंत्रण ।

आइ. एम. एफ. और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रण सुधार : जी. ए. टी. टी. आर्थिक विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहायता, आइ. बी. आर. डी. और उसके अनुबन्ध ।

मुद्रा : उसका मूल्य और प्रयोजन, मुद्रा नीति, केन्द्रीय और वाणिज्यिक बैंकों के कार्य ।

रोजगोषीय नीति और उसके लक्ष्य : कराधान और व्यय के सिद्धांत सार्वजनिक व्यय के लक्ष्य और प्रभाव, कराधान का प्रभाव, और बटन-घाटे की वित्त व्यवस्था, सार्वजनिक ऋण का सिद्धांत ।

अर्थशास्त्र सांख्यिकी का प्रयोग, सांख्यिकीय औसतों और विक्षेपण के माप और मूल्यों के परिणामों के सूचकांक उनकी सीमाएं ।

भारतीय अर्थशास्त्र (भाग 1 के लिए कोड सं. 07

और भाग 2 के लिए 08)

भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी लक्षण-विकास तंत्र-कृषि और उद्योग की भूमिका-विदेश व्यापार की भूमिका संतुलित विकास की अवधारणा ।

आयोजन : उद्देश्य, प्राथमिकताएं और समस्याएं—पंच-वर्षीय योजनाएं—संसाधन जुटाव की समस्या ।

कृषि : नया कृषि तंत्र—भूसंबंध और भू सुधार—बेहोती साख सिंचाई और उर्वरकों का स्थान—कृषि विपणन—कृषि उत्पादों के मूल्य—फसल आयोजन—सामुदायिक विकास—उपजीविका और ग्रामोद्योग ।

सहकारिता : ग्रामीण विकास में इनका स्थान—भारत में सहकारी आन्दोलन का विकास ।

उद्योग : औद्योगिक विकास का व्यूह—स्थल निर्देश की समस्या—बहुवाकार और लघु उद्योगों की समस्याएं—औद्योगिक नीति आर्थोशिक संपदाएं—औद्योगिक वित्त के संसाधन—विदेशी पूंजी की भूमिका—सार्वजनिक उद्यम : संगठन, प्रबन्ध नियन्त्रण और समर्थनीयता, मूल्य नीति ।

श्रम : रोजगार, बेरोजगारी और कम रोजगारी—औद्योगिक संबंध और श्रम कल्याण—श्रम नीति—मजदूरी, मूल्य और आय नीति ।

विदेशी व्यापार : भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताएं—विदेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार—भूगतान संतुलन ।

मुद्रा और बैंकिंग : भारतीय मुद्रण विपणन का संगठन—वाणिज्यिक बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंक की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति ।

सार्वजनिक वित्त : वित्तीय नीति—सार्वजनिक व्यय की वृद्धि—कराधान नीति—संघ और राज्य सरकारों के लिए राजस्व के प्रमुख स्रोत—सार्वजनिक ऋण नीति—घाटे की वित्त व्यवस्था—संघ और राज्य के बीच वित्तीय संबंध ।

सांख्यिकी—1 (कोड सं. 09)

नोट : केवल वस्तुपरक (बहुविकल्पक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे

प्रायिकता (40 प्रतिशत प्रधानता) माप सिद्धान्त के तत्त्व—प्रतिबंध परिभाषाएं और स्वयं सिद्ध अभिगम—प्रतिबंध अवकाश संकल और संकलित प्रायिकता के नियम—घटनाओं की प्रायिकता—प्रतिबंधित प्रायिकता के नियम—घटनाओं की प्रायिकता—प्रतिबंधित प्रायिकता—बेयर्स का प्रमेय—असंयोगिता विवरण—विरल और अविरल—वितरण कार्य—मानक प्रायिकता वितरण—बर्नौली, समरूप, द्विपक्षीय, पाइसन, ज्यामितीय, आयत, धातीय सामान्य, काशी, पराज्याह मिसीय, बहुपक्षीय, लाप्लेस, ऋणद्विपक्षीय, बीटा, गामा, लघुसामान्य तथा संकलित पाइसन वितरण—अभिसरण, वितरण में, प्रायिकता में और प्रायिकता एक के साथ और माध्य वर्ग में—आगूर्न और संचायक-गणितीय अपेक्षा और प्रतिबंध अपेक्षा-लक्षणात्मक फलन और आघूर्ण तथा प्रायिकता जनक कलन-विलोम विलक्षणता और सात सिद्धांत—टर्केवाइचेक और कोलमोरोराव असमानतायें—बहुसंख्या नियम और स्वतंत्र विवरणों के लिए केन्द्रीय सीमा सिद्धान्त ।

सांख्यिकीय पद्धतियां (45 प्रतिशत प्रधानता)

तथ्यों का संग्रह, संकलन और प्रस्तुतीकरण—घाट, डायग्राम और हिस्टोग्राम—आवृत्ति वितरण—निर्देशन, विक्षेपण और विषमता का माप विवरण और बहुचर तथ्य—साहचर्य और आसंग—वक्र समझन और लॉजिक बहुपद—विवरण वितरण—विवरण सामान्य वितरण समाश्रय रेखीय बहुपक्षीय—सहसंबंध गणकों का वितरण—आंशिक और बहुल सहसंबंध अंतर्गीय सहसंबंध-सहसंबंध अनुपात ।

मानक ऋटियां और वृहत् प्रतिदर्श—परीक्षण प्रतिदर्श वितरण X, SZ वर्ग और एफ-इन पर आधारित प्रमुखता परीक्षण—गेर-पराभितीय परीक्षण—साहम, मीडियम, रन, विलकॉक्सन, मनविटनी, वाल्ड बल्कीबिडज आदि—वरीयता क्रम सांख्यिकी—अल्पतम, अधिकतम, रेंज और मीडियम ।

आंकड़ों का विश्लेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

लॉग रेंज, न्यूटन-ग्रेगरी न्यूटन (विभाजित अंतर) गाम और स्टैप्लिंग पर प्रचलित अकार्वेशन सत्र (अपेक्षा संभावना सहित)—थेनारों मस्लारिन का—संकलन सूत्र—विलोम अन्तर्वसन—आंकड़ों का समाकलन और अवकलन—प्रथम गणकों का विभेद समीकरण—स्थिर गणकों के साथ एक धातीय विभेद समीकरण—

सांख्यिकी—2 (कोड सं. 10)

नोट :—केवल वस्तुपरक (बहुविकल्पक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे ।

एकाध्वतीय प्रतिमान (25 प्रतिशत प्रधानता)

एक ध्वतीय आकलन का सिद्धान्त—गास मार्कफ प्रतिष्ठान—
कनिष्ठ वर्ग आकलन—बी—विलोम का प्रयोग—एक तरफा और
दो तरफा वर्गीकृत तथ्य का विश्लेषण—निश्चित, मिश्रित और
यादृच्छिक प्रभाव वाले प्रतिमान—समाश्रयण गुणकों के लिए
परीक्षण—

आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता)

अच्छे आकलन के लक्षण—आव्याधिक संभावना, कनिष्ठ बी
वर्ग आधुनिक और कनिष्ठ वर्गों की आकलन पद्धतियाँ—
अत्यधिक संभावना आकलन—फ्रेमर राव असमानता—भट्टाचार्य
परिसीमाएँ—पर्याप्त आकलन गुणन खण्ड प्रमेय—सम्पूर्ण
आंकड़े—राव—ब्लैकवेल प्रमेय—विश्वास अंतकाल आकलन—
दृष्टतम विश्वास परिसीमाएँ ।

परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

सरल और जटिल परिकल्पना—दो प्रकार की त्रुटियाँ—
क्रांतिक क्षेत्र—विभिन्न प्रकार के क्रांतिक क्षेत्र—धातु फलन-
अत्यन्त प्रभावशाली और समान रूप से अत्यन्त प्रभावशाली परीक्षण
नेमन, परिसर आधार-भूत—अनभिमत परीक्षण—स्थायीप
लाक परीक्षण—संभावना अनपात परीक्षण—ब्राल्ड का SPRT
—OC—और ASN फलन—निर्णय के प्राथमिक तत्व
और खेप सिद्धान्त ।

बहुचर विश्लेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

बहुचर सामान्य वितरण—मध्य प्रसारक का आकलन और
सहकारिता ब्यूह—हार्टलेस का स्थितिक—महलनायिस का

स्थितिक—बहुचर सामान्य जनसंख्या के प्रतिदर्श में आंशिक
और बहुल सहबंध गुणकों—विशेष का वितरण उसका अति-
रूपणात्मक और अन्य स्वभाव—विल्क का निष्कर्ष-विवेचनात्मक
फलन—प्रसन्न घटक—नियमानसार विचर और सहसंबंध ।

सांख्यिकी-3 (कोड सं. 11)

नोट —केवल निबंध इंग्लिश के प्रश्न पड़े जाएंगे जिनमें सदीय
और जटिल निरूपण आवश्यक न हों ।

भाग 'क' (सब के लिए अनिवार्य)प्रतिवर्ष विधियाँ (35 प्रतिशत प्रधानता)

जनगणना इनाम प्रतिदर्श सर्वेक्षण-प्रारम्भिक और विस्तृत
प्रतिदर्श सर्वेक्षण-प्रतिस्थापन के साथ या उसके बिना सरल
यादृच्छिक प्रतिचयन और प्रतिदर्शों आबंटन—लागत और विचरण
फलन—आकलन की आन्तरिक और समाश्रयी पद्धतियाँ—
आन्तरिक के समानणत में प्रायिकता मिश्रित प्रतिचयन—संकलन
बहुल बहुल बहुल बहुल बहुल बहुल बहुल बहुल बहुल बहुल
प्रदेशी उप प्रतिचयन—प्रतिचयनेसर त्रुटियाँ

अर्थ सांख्यिकी (25 प्रतिशत प्रधानता)

समय श्रेणी के घटक—उनके निर्धारण की विधियाँ—
विशेष विवेक पद्धतियाँ—थल स्पर्शकी दृष्टि—सहसंबंध चित्र—
प्रथम और द्वितीय क्रम के स्वयं समाश्रयी प्रतिदर्श—
समग्र चित्र का विश्लेषण—मूल्यों और परिणामों के सम्बन्ध
और उनके सापेक्ष गण—धोक और स्वयं मूल्यों के सम्बन्ध की
रचना—आय वितरण—पैरिजों और इंग्लिश ब्रूक—एकाग्रता
ब्रूक—राष्ट्रीय आय का आकलन करने की पद्धतियाँ—अंशानु-
प्रमाण—अन्तराष्ट्रिय शान्तिका ।

भाग (ख)

उम्मीदवारों को निम्नांकित विषयों में से किसी भी विषय पर
प्रश्नों के उत्तर देने का विकल्प है ।

(1) सांख्यिकीय गुण निवन्त्रण और परिचालन अनुसंधान (40 प्रतिशत प्रधानता)

विचारों और गुणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रक चित्र -
गुणों के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—एकल द्वंद्व, बहुल और
श्रृंखलामूलक प्रतिचयन योजनाएँ—
OC और ASN—फलन—AOQL और ATI के
धारण—विचर के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—ड्राइज रोमिंग
और अन्य तालिकाओं का प्रयोग ।

परिचालन अनुसंधान का अभिगम—रेखांगत कार्यापत्तन के
प्राथमिक तत्व—सिप्लेक्स प्रतिक्रिया—परिचयन और नियोजन
मसम्भा—इंधनार्थकता का नियम—एकल और बहुल आव-
धिक सूची के नियंत्रण ABC विश्लेषण । रेखा प्रतिदर्श के
लक्षण—M/M/I, M/M/C नमूने आम नकली की समस्याएँ
—नष्ट या क्षीण होने वाले तत्वों के प्रतिस्थापन के नमूने ।

(2) जनकिकी और जन्म-मरण आंकड़े (40 प्रतिशत प्रधानता)

जीवन तालिका, उसका निर्माण और लक्षण—मेकहम और
गामपटर्स ब्रूक—राष्ट्रीय जीवन तालिकाएँ—राष्ट्र संघ की जीवन
तालिकाओं के नमूने—संक्षिप्त जीवन तालिकाएँ—स्थिर और
स्थायी जनसंख्या—विभिन्न जन्म गतियाँ—कुल प्रजनन गतियाँ
—कल और निवृत्त उत्पादन गतियाँ—विभिन्न मरण गतियाँ—
मानकीकृत मरण गति—आंतरिक और अन्तराष्ट्रीय प्रजनन—
निवृत्त प्रजनन अन्तराष्ट्रीय और जनगणनेतर आकलन—वर्द्धि,
धाती ब्रूक सांजन सहित प्रक्षेपण विधियाँ—भारत में दशवर्षीय
जनगणना ।

(3) प्रयोग रूप कल्पना और विश्लेषण (40 प्रतिशत)

प्रयोग रूप कल्पना के नियम—पूर्ण रूप से यादृच्छिक
बनाए गए यादृच्छिक खंड और रैंडम चौक अभिकल्पों का विन्यास
और विश्लेषण—क्रमगणित प्रयोग और 2² और 3³ प्रयोगों में
संभूम—खंड और उपखंड अभिकल्प—संतलित और अर्द्ध संत-
लित अपूर्ण वर्ग अभिकल्पों की रचना और विश्लेषण—
सहकारिता का विश्लेषण—लांघिकेतर तथ्यों का विश्लेषण लूप
और मिश्रित ब्यूह के तथ्यों का विश्लेषण ।

(4) अर्थमिति (40 प्रतिशत प्रधानता)

उपभोक्ता मांग का सिद्धान्त और विश्लेषण—मांग फलन का
विशिष्टीकरण और आकलन—मांग की लोच—मरचना और
नमना—एकल समीकरण शैली में प्राचलों का आकलन—
परम्परागत अल्पमत वर्ग, साधारणीकृत अत्यंत वर्ग—विप्रदयेता
क्रमगत सहसंबंध—बहुल समरखीयता—विचार प्रतिदर्श में
त्रुटियाँ—समकालिक समीकरण प्रतिदर्शतात्मकता, वर्गीयता
क्रम और क्रमण परिस्थितियाँ—परीक्षा अत्यंत वर्ग और वां
स्तरीय अल्पमत वर्ग—अल्पकालिक आर्थिक भविष्य कथन ।

भाग गमौखिक परीक्षा

उम्मीदवारों को साक्षात्कार सयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के
बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार का सर्वांगीण
जीवनवृत्त होगा । साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि हमें पता

के लिए व्यक्ति की दृष्टि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विद्याभ्यन के विशेष विषयों में ही सूझ-बूझ के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधाराओं और उन नई चीजों में रुचि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं अपितु, स्वाभाविक निष्पत्ति और प्रयोजन मुक्त वातावरण की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की व्यक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों को मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, संतुलित निर्णय और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

परिशिष्ट--2

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त विवरण :

1. जो उम्मीदवार दोनों में से किसी भी सेवा के लिए सफल होंगे, उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड-4 में परीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी और इस अवधि को घटाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2. यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे बेहतर हुए उसके कार्यक्षमता की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।

3. परीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तियाँ उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जाएगा।

5. जिन सेवाओं के लिए भर्ती की जानी है उनके लिए निर्धारित वेतनमान निम्न प्रकार है :—

(क) भारतीय अर्थ सेवा

एस० ए० जी०

आर्थिक सहायकार/

अपर आर्थिक सहायकार 5900-200-6700 रु०

ग्रेड-I निदेशक

(ग्रेड-II जव से ग्रेड-I में शामिल हुआ है)

3700-125-4700-
150-5000 रु०

ग्रेड-III उप निदेशक

3000-100-3500
125-4500 रु०

ग्रेड-IV सहायक निदेशक

2200-75-2800-
६० रो०-100-4000
रु०

(ख) भारतीय सांख्यिकी सेवा

उच्च प्रशासनिक ग्रेड (7300-7600 रु०)

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (5900-6700 रु०)

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (3700-5000 रु०)

(4500-5700 रु० के वेतनमान में नान-फंक्शनल चयन ग्रेड सहित)

वरिष्ठ समय वेतनमान (3000-4500 रु०)

कनिष्ठ समय वेतनमान (2200-4000 रु०)

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड-4 में पदोन्नति समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा नियमों के उपबंधों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अंतर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा न की किसी राज्य सरकार या गैर-सरकार संगठन में निश्चित अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों की सेवा की शर्तों तथो छुट्टी तथा पेंशन इत्यादि अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं ग्रुप 'क' के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगी।

8. भविष्य निधि की शर्तें वही हैं जो सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधनों की शर्त के साथ जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

परिशिष्ट--3

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

(ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं? ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं।

भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।)

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पाने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो-इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के उत्तर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवार को परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में बिषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा— वह अपने जूत उतार देगा और उसे मापदण्ड (स्टैण्डर्ड) से, इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहे और उसका वजन सिंघाय एंजिन्यों के पांवों की उर्गलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़ सीधा खड़ा होगा और उसकी एंजिनियां, पिंडलिंथियां, निस्तम्भ और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठाड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ दी हूड लबल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और साधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापन का तरीका इस प्रकार है— उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा ताकि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्ब इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शॉल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एंगल्स) से लगा और फीते का छाती के गिर्ब ले जाने पर उसी आधे समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ सटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएँ ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाये। तब उम्मीदवार को कहाँ बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93 आदि। माप का रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटरों से कम से कम के भिन्न (प्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापनी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा। आधे किलोग्राम से कम के प्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नैकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में, मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल अधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बीसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) चश्मे के साथ चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख	अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख
3/9	6/9		
	या		
6/9	6/12	जे०-1	जे०-II

दृष्टि संबंधी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो

(घ) मायोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि

उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक वशा हो जो कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है तो उस अयोग्य घोषित किया जाएगा।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र में सभी सेवाओं के लिए सम्मूहिक विधि (कन्फ्रंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतौंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—साधारणतया रतौंधी दो प्रकार की होती है (1) विटामिन "ए" की कमी के कारण और (2) डेटेन्ता के शरीर रोग के कारण जिसकी आम वजह रेटिनीटिस पिगमेंटोसा होती है। उपर्युक्त (1) में फंडस की स्थिति सामान्य होती है साधारणतया छाटी आयु वाले व्यक्तियों और कम चुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन "ए" के खाने से ठीक हो जाती है और बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है और अधिकांश मामलों में केवल फण्डस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चलता है। इस रोगी का रोगी प्रीढ़ होता है और चुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकाउ में ऊँची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अंधेरा अनुकूलन परीक्षा में स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए विशेषतया जब फण्डस ना हो तो इलैक्ट्रोरेटीनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अंधेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी) में समय अधिक लगता है। और विशेष प्रबन्ध और साधन की आवश्यकता होती है। इसलिए साधारण चिकित्सा जांच से इसका पता संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों का ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रतौंधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षा क्या है और उनकी इयूटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्यू-लर कंडीशन) :—

(1) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) का जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिए।

(2) भँगापन (स्क्विट) : तकनीकी सेवाओं में जहाँ ड्रिवनेरी (वाहनचालक) दृष्टि अनिवार्य हो दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भँगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भँगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(3) एक आंख : यदि किसी व्यक्ति की एक आंख अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य हो और दूसरी आंख की मन्द दृष्टि हो अथवा अप सामान्य दृष्टि हो तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहरा बोध होतू त्रिविम दृष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पवों के

के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशंसित कर सकता है। बशर्त कि सामान्य आंख :

- (1) की दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि ज. 1 का चश्मा लगाकर अथवा उसके बिना हो बशर्त कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मॉरिडियन में श्रुटि 4 डायोप्टर्स से अधिक न हो ।
- (2) की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो।
- (3) की सामान्य रंग दृष्टि जहाँ अपेक्षित हो।

बशर्त कि बोर्ड का यह समाधान हो जाए कि उम्मीदवार प्रस्तावित कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ख) कान्टैक्ट लेंस—उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कान्टैक्ट लेंस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि आंख की आंख करते समय दूर की नज़र के लिए टाइप किए गए अक्षरों का उद्भासन 15 फुट की ऊँचाई के प्रकाश से हो।

7. ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाई विधि नीचे दी जाती है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष के युवा आयु से अधिक व्यक्तियों में आसित ब्लड प्रेशर लगभग 100 जमा आयु होता है।
- (2) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों से ब्लड प्रेशर के आकलन करने में 110 में आधी आयु जोड़ देने का तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम.एम. के ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर की ओर 90 एम.एम. से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संबंध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को योग्य/अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए, कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर वृद्धि थोड़ी समय रहती है या उसका कारण कोई कार्यात्मक (आर्गनिक) बीमारी है? ऐसे सभी कसों में हृदय की एक्स-रे और विद्युत हृदयलेखी (इलेक्ट्रो कार्डिोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (किलेयरेस) की जांच भी नैमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार को योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारं बाले दबावमापी (मर्क्युरी मैनोमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पंद्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्त कि वह और विशेषकर उसकी भुजा क्षिप्र और आराम से हो। कुछ हारिजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए।

भुजा पर से कन्धे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबर को भुजा के अन्दर की ओर रखकर और इसके नीचे किनारे की कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाव कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूलकर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगट धमनी (पेरिक्यल आर्टरी) को दबा-दबाकर ढंका जाता है तब तक इसके ऊपर बीच-बीच स्टेथोस्कोप का हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम.एम.एच.बी. हवा भरी जाती है और इसके बाव इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की श्वास ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारं का कासम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकासी जाएगी तो ध्वनियां ध्वनि तेज सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाएं, वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए। क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए भोभकार होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाये। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं) इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड की किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लूकोसूरिया) के सिवाए, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधुमेही (नान डायबिटिक) हो और बोर्ड केस का मेडिसिन के किसी ऐसे निविष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों, मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिक या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसके अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टीशनर से आरोग्यता का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाणपत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य की परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कान की कोई खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन या ह्यूरिंग) एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारों के मार्ग दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जाती है :—

1. एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहुरापन दूसरा कान सामान्य होगा यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीमल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।
2. दोनों कानों में बहुरापन या प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रव्य यंत्र (ह्यूरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीमल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य हैं।
3. सेंट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिम्पेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र
 - (1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिम्पेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य।
 - कान की शल्य-चिकित्सा की स्थिति सुधारने में दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4 (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।
 - (2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।
 - (3) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।
4. कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड केबिटी से सबसे नार्मल श्रवण
 - (1) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केबिटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सवनार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।
 - (2) दोनों ओर से मस्टायड केबिटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवणयंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीमल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।
5. बहुते रहने वाला कान आपरेशन किया या/बिना आपरेशन वाला तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य।

6. नासापट की हड्डी संजंजी/बिसमलाओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक/एलर्जिक वशा।
 - (1) प्रत्येक मामले में परिस्थितियों के अनुसार निर्णय किया जाएगा।
 - (2) यदि लक्षणों सहित नासापट अफसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
7. टॉसिल और/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रवाहक वशा।
 - (1) टॉसिल और/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रवाहक वशा योग्य।
 - (2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
8. कान, नाक, गले (ई०एन०टी०)
 - (1) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप से अयोग्य।
 - (2) बुरा ट्यूमर अयोग्य।
9. आस्टेक्लिरोसिस श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीमल के अन्दर होने पर योग्य।
10. कान, नाक अथवा गले के जन्म जात बोध।
 - (1) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य।
 - (2) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।
11. नेजल पोलो। अस्थायी रूप से अयोग्य।
 - (क) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
 - (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।
 - (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैली है या नहीं उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
 - (ङ) उसे पेट की बीमारी है या नहीं।
 - (च) उसे रफर है या नहीं।
 - (छ) उसे हाईड्रोसील, बड़ी हाईड्रोसिल, बॉरेकॉसिल, बॉरेका-जिशरा (बन) या बवासीर है या नहीं।
 - (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली-भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
 - (झ) उसे कोई चिरस्थायी रचना की बीमारी है या नहीं।
 - (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
 - (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमजोर गठन का पता लगे।
 - (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
 - (ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।
11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नियमित रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जहाँ कहीं संदेह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किए जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है उसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक दृष्टि अथवा विषयन (एबरेन्शन) से पीड़ित होने का संदेह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल में किसी मनोविकास विज्ञानी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देने चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ह्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार रु. 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जाएंगे शेष दूसरों के बारे में यह जमा कर लिया जाएगा। यदि उम्मीदवार चाहें तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिए अन्यथा अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा। अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई चिल्ली में होगी और स्वास्थ्य परीक्षा के सम्बन्ध में की गयी यात्रा के लिए कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबन्ध के लिए वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) अथवा योजना मंत्रालय (सांख्यिकी विभाग) जैसी भी स्थिति हो द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल यदि हो, के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अधिकारी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इनफॉर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उनका ही सम्बन्ध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की यत्नायक तब झलक में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई

दाँव हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतः तीन सदस्य होंगे (1) एक कार्य चिकित्सा (2) एक शल्य चिकित्सक और (3) एक नेत्र चिकित्सक। ये सभी यथासंभव साध्य समान स्तर के होने चाहिए। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिपोर्ट करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं। डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत ब्योरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बताने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वह डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिपोर्ट किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाए तो दूसरा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम 6 महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दूसरा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देने चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें (साफ अक्षरों में)
2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें
3. (क) क्या अनुसूचित जाति या गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैंड जनजाति आदि में से किसी जाति से संबंधित है जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है 'हां' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए। उत्तर 'हां' में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

(स) क्या आपको कभी खेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बूझार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, रुमेटीज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है।

अथवा

(ख) दूसरी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मॉडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुआ है ?

4 क्या आपको अधिक काम या दूसरे किसी कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है ?

5 अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे दें—

यदि पिता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था
यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण।

6. क्या इसके पहले मॉडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

7. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी।

8 परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

9 कब और कहाँ मॉडिकल बोर्ड हुआ ?

10. मॉडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो।

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट—उपयुक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सचन को छिपाने से वह नियुक्ति से बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्ति से भी जाए तो वार्षिक नियुक्ति भत्ता (सुपर-एनएशन अलाउंस) या उपदान (ग्रेजुएटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मॉडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1 सामान्य विकास अच्छा बीब का कम कम पोषण पतला औसत मोटा कब जल उतारकर बचन

अल्पतम वजन कब था ?
वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन
तापमान
छाती का घेर

(1) पूरा सांस खींचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2 त्वचा कोई जलिर बीमारी

3. नेत्र

(1) कोई बीमारी

(2) रतौंधी

(3) कलर विजन का दोष

(4) दृष्टि नेत्र (फील्ड आफ विजन)

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी)

(6) फण्डस की जांच

दृष्टि की क्षमता के बिना
क्षमता से
क्षमता की क्षमता
गोल बटन एक्सिस

दूर की नजर दा. ने.

बा. ने.

पास की नजर दा. ने.

बा. ने.

4. कान : निरीक्षण सुनना
. दायाँ कान बायाँ कान
कान

5 ग्रंथियां धाहराइड

6 दांतों की हालत

7 स्वसन तंत्र (रेस्पेयरटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में से किसी असमानता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा ब्यौरे दें।

8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलैटरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक गति (आंगीनिक लीजन)

गति (स्टे)—

बढ़ने पर

25 बार कुदाए जाने पर

कुदाए जाने के दो मिनट बाद

(ख) ब्लड प्रेशर सिस्टोलिक
. डायस्टोलिक

9 उबर (पेट) घेर
हर्निया स्पासमस्यता

(क) दबा कर मालूम पड़ना/लिखर

तिल्ली गूद

द्यूमर

(ख) रक्तार्ण
भगंदर

10. तांत्रिक तंत्र (नर्सिंग सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक अक्षमता भगंदर का संकेत

11. बाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)
की असमानता

12. जनन मृत तंत्र (जैनिरी यूरिनरी सिस्टम)
हाइड्रोसिल यूरिकोसिल आदि का कोई संकेत .

मृत परीक्षा :—

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?

(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

(ग) एलबूमिन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) कोशिकाएं (सेक्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट .

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी की दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय में गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखते विनियम 9 ।

15. (क) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा में दक्षतापूर्वक और निरंतर कार्य करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया ।

(ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है ?

नोट :—बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए :—

(क) योग्य (फिट)

(ख) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण

(ग) अस्थायी रूप से अयोग्य जिसका कारण

स्थान

तारीख

अध्यक्ष

सदस्य

सदस्य

MINISTRY OF WELFARE New Delhi, the 12th March 1992 RESOLUTION

No. 13040/2/90-SCD-VI.—WHEREAS a National Commission for Scheduled Castes and Scheduled Tribes was set up under Ministry of Welfare Resolution No. 13015/12/86-SCD-VI dated 1st September, 1987.

2. AND WHEREAS according to the Constitution (65th Amendment) Act, 1990, a National Commission for Scheduled Castes and Scheduled Tribes has been set up from this 12th day of March, 1992, whose functions include participation and advising on the planning process of socio-economic development of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and evaluation of the progress of their development under the Union and any State.

3. NOW, therefore, the National Commission for Scheduled Castes and Scheduled Tribes set up under the said Resolution will cease to exist from the day the Constitution (65th Amendment) Act, 1990 is brought into force.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all Ministries and Departments of the Government of India, State Governments and Union Territory Administrations, etc.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

T. MUNIVENKATAPPA,
Jt. Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF CULTURE)

New Delhi, the 24th January 1992

RESOLUTION

No. F.7-1/91-CSU.—The President is pleased to re-constitute the existing Expert Committee on implementation of the plan scheme "Financial Assistance for Promotion and 3—501 GI/91

Dissemination of Tribal and Folk Art and Culture", which was constituted vide Resolution No. F.7-1/87-CSU dated 23rd February, 1987, with immediate effect to advise the Government within its terms of reference.

2. The composition of the Re-constituted Committee will be as under :—

Chairman

1. Joint Secretary to Govt. of India, Deptt. of Culture, Ministry of HRD.

Members

- Representative from Crafts Council of India.
- Representative from Lalit Kala Akademi.
- Prof. N. K. Behura, Prof. & Head, Deptt. of Anthropology, Utkal University, Bhubaneswar.
- Dr. Jyotindra Jain, Director, Crafts Museum.
- Shri Komal Kothari, Expert.
- Representative from Anthropological Survey of India.
- Representative from the Ministry of Welfare (TD Division).
- Shri Jaydev Baghel, Noted Sculptor, Bastar, Madhya Pradesh.
- Shri Niranjana Mahavir, Raipur, Madhya Pradesh.
- Prof. Hira Lal Shukla, Professor of Comparative Languages, University of Bhopal.
- Dr. J. S. Bhandari, Professor of Social Anthropology Delhi University.
- Shri B. B. Bhasin, M.D., Handicrafts and Handlooms Export Corp'n. of India Ltd., New Delhi.
- Director (F)/DFA Deptt. of Culture.

15. Representative from Song and Drama Division,
Ministry of I&B.

16. Director (Plg)/Dy. Secy. (Plg).

Member Secretary

17. US (CH)/DD (Plg).

3. The terms of reference of the Committee will be as under :

"To advise the Government on the implementation of the Central Scheme of Financial Assistance to Voluntary Cultural Organisations, Institutions, Societies, Individuals etc. for Promotion and Dissemination of Tribal and Folk Art and Culture".

*4. The terms of the office of the non-official members will be for a period of two years in the first instance.

5. The Committee will hold its meetings as often as necessary.

6. T.A. and D.A. to non-official members for attending the meetings of the Committee shall be regulated in accordance with the provisions of S.R. 190 and orders of the Government of India thereunder as issued from time to time.

ORDER

Ordered that a copy of the Notification be communicated to all State Governments/Union Territories and that the Notification may be published in the Gazette of India for general information

KOMAL ANAND, Jt. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 11th February 1992

RESOLUTION

No. E-11016/11/91-RBN.—In further modification of this Ministry's Resolution No. E-11016/30/89-RBN dated 19-7-90 and 31-8-90 as amended from time to time, Shri Yaswant Rao G. Patil and Shri Gulam Mohammad Khan, Members of Lok Sabha have been nominated as Members of the Hindi Salahkar Samiti of the Ministry of Labour by the Ministry of Parliamentary Affairs in place of Shri Jagannath Singh and Shri Ram Sewak Bhatia, ex-members of Lok Sabha

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Govts. and Union Territory Administrations, Prime Minister's Secretariate, Cabinet Secretariate, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariate, Rajya Sabha Secretariate, Planning Commission, President's Secretariate, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General, Central Revenues and all Ministries and Dep'ts. of the Govt of India and all offices of the Ministry of Labour including Autonomous and Semi-autonomous Bodies.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for General information.

SHASHI JAIN, Jt. Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

RULES

New Delhi, the 21st March, 1992

No. 11013/1/91-IES.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1992 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

(i) The Indian Economic Service, and

(ii) The Indian Statistical Service.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A Candidate must be either :—

(a) a citizen of India, or

(b) a subject of Nepal, or

(c) a subject of Bhutan, or

(d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d), and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for admission to this examination, must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 28 years on 1st January, 1992 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1964 and not later than 1st January, 1971.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iv) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona-fide* repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November, 1991
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona-fide* repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November, 1991.
- (vi) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (vii) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (viii) up to a maximum of five years in case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1992 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January 1992) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;

(ix) up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who have rendered at least five years Military service as on 1st January, 1992 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1992) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.

(x) up to a maximum of five years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1992 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

(xi) up to a maximum of ten years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1992 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

Note I The term ex-serviceman will apply to the persons who are defined as 'ex-servicemen' in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979 as amended from time to time.

Note, II Candidates falling under rule 5(b) (i) to 5(b) (xi), who do not belong to Scheduled Caste and Scheduled Tribe, are not eligible for age concession if they have already joined any Govt. job on civil side after availing of the age concession.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6 A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note I.—A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 6th January, 1993.

Note II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualification, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission with holding permission to the candidates' applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

(i) obtaining support for his candidature by any means, or

(ii) impersonating, or

(iii) procuring impersonation by any person, or

(iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or

(v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or

(vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or

(vii) using unfair means during the examination, or

(viii) writing irrelevant matter including, obscene language or pornographic matter, in the script(s), or

(ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or

(x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or

(xi) violating any of the instruction issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or

(xii) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, and/or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

(i) by the Commission from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for viva-voce.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination as well as interview and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service/posts.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preferences expressed by a candidate at the time of his application.

No request for alteration in preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 (thirty) days of the date of publication of the results of the written examination in the "Employment News".

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or, the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

Note.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before

applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

18. No person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix-II.

ANUPAM KULSHRESHTHA, Director

APPENDIX I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—*Viva voce* (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

S. No.	Subject	Code No.	Maximum Marks	Time Allowed
A. Indian Economic Service				
1.	General English	01	150	3 hrs.
2.	General Studies	02	150	3 hrs.
3.	General Economics-I		200	
	Part-I	03	50 marks	} 3 hrs.
	Part-II	04	150 marks	
4.	General Economics-II		200	
	Part-I	05	50 marks	} 3 hrs.
	Part-II	06	150 marks	
5.	Indian Economics		200	
	Part-I	07	50 marks	} 3 hrs.
	Part-II	08	150 marks	

N.B.—In the case of papers on subjects at S. Nos. 3 to 5 above if a candidate does not reach the Examination Hall within the permissible time limit and is not admitted to the examination in Part I of the paper, he will not be entitled to be admitted to Part II of the paper.

B. Indian Statistical Service

1. General English . . .	01	150	3 hrs.
2. General Studies . . .	02	150	3 hrs.
3. Statistics I . . .	09	200	3 hrs.
4. Statistics II . . .	10	200	3 hrs.
5. Statistics III . . .	11	200	3 hrs.

NOTE I.—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

NOTE II.—Part I of the paper on subjects at S. Nos. 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

NOTE III.—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type questions.

NOTE IV.—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see "Candidates Information Manual" at Annexure II to the Commission's Notice.

NOTE V.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH. QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission has discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

10. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers

(Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

11. Candidates should use only International Form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

THE SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

GENERAL ENGLISH (Code No. 01)

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL STUDIES (Code No. 02)

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

GENERAL ECONOMICS—I (Code No. 03 for Part—I and 04 for Part—II)

Theory of consumer's demand : Indifference curve analysis. Revealed preference approach.

Theory of production : Factors of production. Production function. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value : Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution : Pricing of factors of production. Theories of rent wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare-economics : Old and new welfare economics. The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment. Post Keynesian developments.

GENERAL ECONOMICS—II (Code No. 05 for Part—I and 06 for Part—II)

Concept of economic growth and its measurement Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

Planning : Concept and methods, Planning under capitalist and socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional Planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics : Theories of international trade, gains from trade. Terms of trade. Trade policy, international trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments, disequilibrium in balance of payments, Mechanism of adjustments. Foreign trade, multiplier, Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and international monetary reforms. GATT; International aid for economic growth. I.B.R.D. and its affiliates.

Money : Its value and functions, Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives : Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical average and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

INDIAN ECONOMICS (Code No. 07 for Part—I and 08 for Part—II)

Basic features of the Indian economy : Development strategy : Role of agriculture and industry; Role of foreign trade, Concept of balanced growth.

Planning : Objectives, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture : New agricultural strategy; land relations and land reforms; rural credit, role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary occupations and rural industries.

Cooperation : Its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry : Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises; Organisation, management control and accountability. price policy.

Labour : Employment, unemployment and under-employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and income policy.

Foreign Trade : Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking : Organisation of the Indian money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve Bank of India. Monetary policy.

Public Finance : Fiscal Policy; Growth of Public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing Union-State financial relations.

STATISTICS-I (Code No. 09)

NOTE :— ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET.

Probability (40 per cent weight)

Elements of measure theory. Classical definition and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of m events out of n . Conditional probability. Bayes' theorem. Random variable—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants, Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

Statistical methods (45 per cent weight)

Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location, dispersion and skewness. Bivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate distributions. Bivariate normal distribution. Regression—linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of \bar{x} , S^2 , t , chi-square and F ; tests of significance based on them.

Non-parametric tests/sign, median, run Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median.

Numerical Analysis (15 per cent weight)

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton (Divided difference). Gauss and Stirling. Euler Maclaurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant co-efficients.

STATISTICS—II (Code No. 10)

NOTE :—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET.

Linear Models (25 per cent weight)

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff set up. Least square estimators. Use of g-inverse. Analysis of one-way and two-way classified data—fixed, mixed and random effect models. Tests for regression co-efficients.

Estimation (25 per cent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation method of maximum likelihood, minimum chi-square moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao Inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator. Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation optimum confidence bounds.

Hypothesis testing (25 per cent weight)

Simple and composite hypothesis. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT. OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

Multivariate Analysis (25 per cent weight)

Multivariate normal distribution. Estimation of mean Vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's T^2 statistic. Mahalanobis's D^2 statistic, partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

STATISTICS—III (Code No. 11)

NOTE :—ONLY ESSAY TYPE QUESTIONS NOT INVOLVING LENGTHY AND COMPLICATED PROOFS WILL BE SET.

PART (a) (Compulsory for all)*Sampling Techniques (35 per cent weight)*

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Sample random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocation. Cost and variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster double, multiphase, multistage, and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

Economic Statistics (25 per cent weight)

Components of time series. Methods of their determination—variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

PART (b)

CANDIDATES WILL BE ALLOWED OPTION OF ANSWERING QUESTIONS ON ANY ONE OF THE FOLLOWING TOPICS

(i) Statistical Quality Control and Operations Research (40 per cent weight)

Different kinds of control charts of variable and attributes. Acceptance sampling by attributes—Single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOQL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of Dodge—Roming and other tables.

Operations research approach Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of duality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. M/M/I, M/M/C models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) Demography and Vital Statistics (40 per cent weight)

The life, table, its construction and properties Makehams and Gompert curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Cross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration : net migration. International and pastensal estimates. Projection method including logistic curve fitting. Decennial population census in India.

(iii) Design and Analysis of Experiments (40 per cent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and latin square designs. Factorial experiments and confounding in 2^n and 3^n experiments. Split-plot and strip-plot design. Construction, and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) Econometrics (40 per cent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-square, heteroscedasticity, serial correlation, multicollinearity errors in variable model. Simultaneous equation models—Identification, rank and other conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

PART B

Viva Voce—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is

to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study but also in events which are happening around him both within and outside his own State or country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, thought directed and purposive conversation intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgement and alertness of mind, the ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination.

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment, Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for the Services to which the recruitment is being made are as follows :

(a) Indian Economic Service.

SAG — Eco. Adviser/Addl. Eco. Adviser	Rs. 5900-200-6700
Grade I — Director (Grade II since merged with Grade-I)	Rs. 3700-125-4700-150-5000
Grade III—Deputy Director	Rs. 3000-100-3500-125-4500
Grade IV—Asstt. Director	Rs. 2200-75-2800—EB-100-4000

(b) Indian Statistical Service.

Higher Administrative Grade (Rs. 7300—7600).

Senior Administrative Grade (Rs. 5900—6700).

Junior Administrative Grade (Rs. 3700—5000).

(Inclusive of a non-functional selection grade in the scale of Rs. 4500—5700).

Senior Time Scale (Rs. 3000—4500).

Junior Time Scale (Rs. 2200—4000).

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension etc. for officers of the two Services will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services Group 'A'.

8. Conditions of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners].

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed, and his weight recorded in kilograms; fraction of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be Recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9	6/9		
6/9	or		
	6/12	J-I	J-II

(d) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of Vision*.—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness*.—Broadly there are two types of night blindness. (1) as a result of Vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa in (1) the fundus is normal generally seen in younger age-group and ill-nourished persons and improves by large doses of Vit. A and (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical consideration it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other visual acuity*.—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint*.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye*.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is emphyopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical

board may recommend as fit such person provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and JI near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses*.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye tests, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows —

(i) With young subjects 15—25 years of the age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subject over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm

should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. The 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conform to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed.

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—
- (1) Marked or total deafness in one ear other ear being a normal; Fit for non-technical jobs if the deafness is up to 30 decibel in higher frequency.
 - (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is up to 30 decibel in speech frequency of 1000 to 4000.
 - (3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type.
 - (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.
 - (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.
 - (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.
 - (4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.
 - (i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity. Fit for both technical and non-technical jobs.
 - (ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.
 - (5) Persistently/discharging ear operated/Unoperated Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.
 - (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal Septum
 - (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
 - (ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.
 - (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx
 - (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx—Fit.
 - (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.
 - (8) Benign or locally malignant tumours of the ENT
 - (i) Benign tumours—Temporarily Unfit.
 - (ii) Malignant Tumours—Unfit
 - (9) Otosclerosis. If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.
 - (10) Congenital defects of ear, nose or throat.
 - (i) If not interfering with functions—Fit.
 - (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
 - (11) Nasal Poly Temporarily Unfit.
 - (b) that his speech is without impediment;
 - (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
 - (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
 - (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
 - (f) that he is not ruptured;
 - (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
 - (h) that his limbs, hands and feet are well-formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
 - (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
 - (j) that there is no congenital malformation or defect;
 - (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
 - (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
 - (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidate filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, request for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and not travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) or Ministry of Planning (Department of Statistics), as the case may be on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidate appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in board-terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum.

On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)
2. State your age and birth place.
- (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower ? Answer 'yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race
3. (a) Have you ever had small pox, intermittent or any other fever-enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart, disease, lung disease fainting attacks, rheumatism, appendicitis.

- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

4. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause ?

5. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
--	--	---	--

1
2
3

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--	--	--	---

1
2
3

6. Have you been examined by a Medical Board before ?

7. If answer to above is 'Yes' please state what Service/Services, you were examined for

8. who was the examining authority

9. When and where was the Medical Board held ?

10. Results of the Medical Board's examination. If communicated to you or if known.

I declare that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....

Signed in my presence.....

Signature of the Chairman of the Board

NOTE—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate)

..... Physical Examination
1 General development : . . . Good . . . fair . . .
Poor

Nutrition : Thin Average Obese
Height (without shoes) weight

Best Weight When ? any recent
change in weight ? Temperature

Girth of Chest :

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin : Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual actnity

(6) Fundus examination

Actuity of vision	Naked eye with glasses	Strength of glasses		
		Sph.	Cyl.	Axis
Distant Vision	R.E.			
	L.E.			
Near Vision	R.E.			
	L.E.			

4. Ears : Inspection Hearing : Right Ear
Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

If yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart Any organic lesion ? Rate
Standing
After hopping 25 times
2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic Diastolic

9. Abdomen : Girth Tenderness

Hernia

(a) Palpable : Liver Spleen
Kidneys Tumours

- (b) Haemorrhoids Fistula
10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities
11. Loco Motor System : Any abnormality
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele, etc.
- Urine Analysis :
- (a) Physical appearance
- (b) Sp. Gr.
- (c) Albumen
- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cell
13. Report of Screening/X-ray Examination of Chest
14. Is there anything in the health of the candidates likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

NOTE : In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service and Indian Statistical Service ?

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of
- (iii) Temporary unfit on account of

Place

Chairman

Date

Member

Member

